अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है: डॉ पी के खन्ना

सीरी पिलानी में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय वैज्ञानिक-प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन

सीमा संदेश संवाददाता।

पिलानी। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में कल दिनांक 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी सहकर्मियों के लाभार्थ एक-दिवसीय वैज्ञानिक-प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया। कार्यशाला में संस्थान के तीनों शोध क्षेत्रों दृ साइबर भौतिक प्रणालियाँ, सूक्ष्मतरंग युक्तियाँ और स्मार्ट संवेदक के वैज्ञानिक 'विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीः सामाजिक उत्थान के लिए' विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण दिए गए। अपने प्रस्तुतीकरणों में संस्थान के तीनों शोध क्षेत्रों के चयनित वैज्ञानिकों द्वारा समाज कल्याण के लिए किए गए शोध कार्यों पर प्रस्तुतीकरण दिए गए।

कार्यशाला की अध्यक्षता स्थानापन्न निदेशक डॉ पी के खन्ना द्वारा की गई। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा आयोजन की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही संस्थान की विज्ञान पत्रिका इलेक्ट्रॉनिक दर्पण 2019 में प्रकाशित लेखोंध्शोध पत्रों के लेखकों को स्थानापन्न निदेशक डॉ पी के खन्ना द्वारा प्रमाण पत्र भी भेंट किए गए। इस अवसर पर विश्व हिंदी दिवस आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ एस अली अकबर, मुख्य वैज्ञानिकय पीएमईबीडी के प्रमुख डॉ जे एल रहेजा, जयपुर केंद्र के प्रभारी डॉ पी सी पंचारिया, प्रधान वैज्ञानिक डॉ निधि चतुर्वेदी, प्रशासनिक अधिकारी श्री विनोद कुमार, कार्यक्रम के संयोजक श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी सहित अन्य सहकर्मी एवं प्रतिभागी उपस्थित थे। संस्थान के सभागार में आयोजित विश्व हिंदी दिवस के उद्घाटन सत्र में सहकर्मियों, उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ पी के खन्ना, स्थानापन्न निदेशक ने सभी सहकर्मियों को विश्व हिंदी दिवस की बधाई और शुभकामना दी। अपने संबोधन में डॉ खन्ना ने कहा कि विश्व में भारत के बढ़ते प्रभुत्व के साथ-साथ हिंदी का प्रचार-प्रसार और स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने इसके लिए सभी हिंदी प्रेमियों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही हिंदी न केवल विश्व भाषा के रूप में स्थापित होगी बल्कि यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषाओं में अपना स्थान बनाएगी।